मृदा स्वास्थ्य कार्ड दविस

चर्चा में क्यों?

भारत में 19 फरवरी 2025 को 10वाँ मृदा स्वास्थ्य कार्ड दविस मनाया गया।

मुख्य बदि

- **दविस के बारे में:**
  - इस दविस का मुख्य उद्देश्य कसिानों को मृदा स्वास्थ्य के महत्त्व और मृदा परीक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूक करना है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

- **परचिय**
  - इस योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री ने **19 फरवरी, 2015** को **राजस्थान के सूरतगढ़** में की थी।
  - इस योजना की थीम है: **स्वस्थ धरा, खेत हरा।**
- **उद्देश्य**
  - हर 2 वर्ष के अंतराल पर कसिानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वतिरति करना
  - कसिानों को मृदा स्वास्थ्य और इसकी उर्वरता में सुधार के लयि आवश्यक नरि्देश देना
  - पोषक तत्त्वों की उचति मात्रा के साथ-साथ कसिानों को मट्टिी की पोषक स्थति की जानकारी देना
  - मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं (STL) को सशक्त करना
  - राज्यों में मट्टिी की उर्वरता की समस्या का समाधान करना
  - सुधारात्मक उपाय प्रदान करना
- **पोर्टल**
  - मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल देश भर में सभी प्रमुख भाषाओं और 5 बोलयिों में एक समान और मानकीकृत प्रारूप में कसिानों के लाभ के लयि मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार करने की सुवधिा प्रदान करता है।
  - मृदा स्वास्थ्य कार्ड में 12 मापदंडों के संबंध में मट्टिी की स्थति शामलि होती है, जैसे
    - **मैक्रो पोषक तत्त्व:** नाइट्रोजन (N), फास्फोरस (P), पोटेशयिम (K)
    - **द्वतीयक पोषक तत्त्व**: सल्फर (S)
    - **सूक्ष्म पोषक तत्त्व:** जकि (Zn), आयरन (Fe), कॉपर (Cu), मैंगनीज (Mn), बोरान (B)
- **भौतकि पैरामीटर:** pH, Electrical Conductivity (EC), Organic Carbon (OC)
- इसके आधार पर, कार्ड खेत के लयि आवश्यक उर्वरक अनुशंसाओं और मट्टिी संशोधन को भी बताता है।
- मट्टिी के नमूने आम तौर पर साल में दो बार लयि जाते हैं, क्रमशः रबी और खरीफ फसल की कटाई के बाद या जब खेत में कोई खड़ी फसल न हो।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/soil-health-card-day